9414015200
श्रीराम कॉम्पिटिशन क्लासेज प्रा.लि. सीकर
An ideal institute for Competitive Exams
हैड ऑफिस: भाटी मेंशन, बजाज रोड, सीकर © 01572-254777
HAND WRITTEN Classroom Coaching NOTES
Best Faculty Team + Super Coaching System + Personal care = श्रीराम कोचिंग, सीकर

विषय :- **Indian Geography** | **I-Grade Teacher**

287

सीमान्त / फ्रण्टियर (Examiner)

"सीमान्त"/'फ्रण्टियर' शब्द फ्रांसिस या फ्रेंच भाषा के 'फ्रान्ट' तथा लैटिन भाषा के 'फ्रॉन्स' से लिया गया है।

"सीमान्त" क्षेत्र दो क्षेत्रों या राज्यों को अलग करने वाले ऐसे क्षेत्र होते हैं जिनकी सामान्य से पर्याप्त चौड़ाई होती है और यह क्षेत्र निर्जन या संक्रमण विरल क्षेत्र होते हैं।

- सीमांत क्षेत्र में क्षेत्रीय प्रसार की प्रवृत्ति पाई जाती है यह वास्तविक रूप में न ही वैधानिक और न ही राजनीतिक तथ्य से संबंधित होते हैं।
- सीमांत क्षेत्र सदैव "प्राकृतिक - भौगोलिक क्षेत्र" के रूप में अवस्थित होते हैं इनमें क्षेत्रीय प्रसार की प्रवृत्ति मुख्य रूप से बहिर्मुखी रूप में पाई जाती है।
सीमांत क्षेत्र सदैव विवाद के क्षेत्र होते हैं जिनका सीमा निर्धारण के साथ ही अंत हो जाता है।
- सीमांत में जनसंख्या का सांस्कृतिक आदान - प्रदान होता रहता है।

- सीमांत क्षेत्र में संबंधित दोनों राज्यों की विशेषताओं का मिश्रण होता है जिसके कारण यहाँ प्राकृतिक व मानवीय साधन विद्यमान रहते हैं।
- सीमांत क्षेत्र के विवाद को समाप्त करने का प्रयास दोनो संबंधित राज्य समाप्त करने का जब विषम रखते हैं है तो अन्ततः सीमा निर्धारण कर दी जाती है। इस आधार पर सीमांत संघर्ष के परिचायक होती है वही इस संघर्ष की समाप्ति तथा सीमा निर्धारण से हो जाती है।

उदाहरण के लिए ब्रिटिश शासन काल में एक महत्वपूर्ण सीमांत क्षेत्र था NEFA/नेफा (NORTH EAST FRONTIER AREA है जो कि उ॰पूर्वी भारत में चीन के मध्य अवस्थित था। यह क्षेत्र वर्तमान में अरुणाचल प्रदेश का राज्य है इसे चीन वर्तमान में भी सीमांत विवादित क्षेत्र ही मानता है इसी कारण वह अरुणाचल प्रदेश को भारत का राज्य स्वीकार नहीं करता।

- इस प्रकार सीमांत क्षेत्रों का अभिप्राय निर्धारण स्वभाविकतः होता है, जिससे यह विवाद के क्षेत्र बन जाते हैं। इसके अंत के लिए सीमांत क्षेत्रों का अस्तित्व भ समाप्त करना आवश्यक होता है।